ME TOO

बस ! बहुत हो गया, अब और नहीं, कभी नहीं, कहीं नहीं, लड़कियों और औरतों के ख़िलाफ़ हिंसा बन्द करो।

1. यौन उत्पीड़न महिलाओं की निजता और व्यक्ति के मूलभूत संवैधानिक अधिकारों को चोट पहुंचाता है। सोचो कि आप का अनैतिक व्यहवार दूसरों को कैसे प्रभावित करेगा ।

2. बोलने से पहले सोचें लैंगिक टिप्पणियाँ लैंगिक शोषण है। ''ये तो मजाक था'' कह कर आप नहीं बच सकते।

3. सुनने, जानने व समझने की कोशिश करें, यदि कोई महिला/लड़की आप के लैंगिक प्रस्ताव को कहे ''नही'' तो उस के मायनें ''नही'' ही होता है।

4. घूरना, पीछ करना, गलत नियत से छूना लैंगिक शोषण है। ये हरकतें बन्द करो।

5. लैंगिक मैसेज, वीडियो, फोटो आदि भेजना या दूसरों के साथ बॉटना अपराध है।

Me Too (मैं भी) के बुलंद इरादे

यदि आप के साथ #1, 2, 3, 4, 5 में से कुछ भी हो रहा है तो चुप ना रहें - बोलो बताओ लिखो।

जरूरी है कि यदि आपके सामने किसी और के साथ यौन शोषण हो रहा है तो आवाज उठायें ।

Supported: actionaid

ARPAN
ASSOCIATION FOR RURAL PLANNING AND ACTION